This question paper contains **16+8** printed pages]

459 to 462

M.A. (Final) Examination, 2019

HINDI LITERATURE

Paper

विशेष कवि : (1) तुलसीदास

अथवा

विशेष कवि : (2) प्रेमचन्द

अथवा

(3) हिंदी नाटक और रंगमंच

अथवा

विशेष कवि : (4) जयशंकर प्रसाद

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

This question paper contains ***three*** *sections as under :*

Section-A खण्ड 'अ' ***Max. Marks-10***

This section contains ***one*** *compulsory question with* ***10 parts.*** *Answer of each part should not exceed* ***20 words.*** ***All*** *questions carry equal marks.*

इस खण्ड में ***एक*** *अनिवार्य प्रश्न है जिसमें* ***10*** *भाग हैं। प्रत्येक* ***भाग का उत्तर 20*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान* ***हैं।***

http://www.uokonline.com

http://www.uokonline.com

http://www.uokonline.com

http://www.uokonline.com

12. 'सौष्ठव की दृष्टि से 'रामचरितमानस' का स्थान हिन्दी साहित्य में अत्युच्च है।' इस कथन के आधार पर गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस का काव्यगत सौंदर्य बताइये।

13. 'विनयपत्रिका' आध्यात्मिक जीवन को परिलक्षित करता ग्रन्थ है।' इस कथन के परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास की दार्शनिक एवं आध्यात्मिक चेतना का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

14. गोस्वामी तुलसीदास कृत 'कवितावली' के रचना विधान एवं काव्य शिल्प पर लेख लिखिये।

15. 'गीतावली' मूलत: कृष्ण काव्य परम्परा की गीत पद्धति पर लिखी गयी रामायण ही है।' इस कथन के आधार पर गीतावली का परिचय देते हुए इसके उत्तरकाण्ड का विशद विवेचन कीजिए।

OR

अथवा

विशेष कवि : (2) प्रेमचन्द

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **बीस** शब्दों में दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

(1) महन्त रामदास का सारा कारोबार किसके नाम पर होता था ?

http://www.uokonline.com

(2) सुमन गजाधर से भागकर कहाँ चली गई ?

(3) दीनदयाल की पुत्री का नाम क्या था ?

(4) अपनी हार को छिपाने के लिए रमानाथ क्या किया करते थे ?

(5) 'रंगभूमि' उपन्यास का प्रकाशन किस वर्ष में हुआ ?

(6) 'नशा' कहानी किस शैली में लिखी गयी है ?

(7) सोफिया किसकी पुत्री है और वह किससे विवाह करना चाहती है ?

(8) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के माध्यम से प्रेमचन्द ने किस स्थिति को चित्रित किया है ?

(9) प्रेमचन्द ने खरा साहित्य किसे माना है ?

(10) प्रेमचन्द के अनुसार उत्तम कहानी की क्या विशेषता होती है ?

खण्ड-ब

इकाई-I

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

विवाह एक धार्मिक व्रत है, एक आत्मिक प्रतिज्ञा है, जब हम गृहस्थाश्रम में प्रवेश करते हैं, जब हमारे पैरों में धर्म की बेड़

http://www.uokonline.com

Section-B **खण्ड 'ब'** **Max. Marks-50**

This section contains **10** *questions. Attempt* **5** *questions in all, selecting* **one** *question from each unit. Answer of each question should not exceed* **250** *words.* **All** *questions carry equal marks.*

इस खण्ड में **10** *प्रश्न हैं। प्रत्येक इकाई से* **एक** *प्रश्न का चयन करते हुए, कुल* **5** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* **250** *शब्दों से अधिक न हो।* **सभी** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

Section-C **खण्ड 'स'** **Max. Marks-40**

This section contains **4** *questions (question may have sub-division). This section will cover all units but* **not more than one question** *from each unit. Question No.* **12** *(First question of this Section) is compulsory. Attempt* **1** *question from rest of* **3** *questions of this Section. Answer of each question should not exceed* **500** *words.* **All** *questions carry equal marks.*

इस खण्ड में **4** *प्रश्न हैं (प्रश्न के उप-भाग हो सकते हैं)। इस खण्ड में एक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न होगा। प्रश्न संख्या* **12** *(इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष* **3** *प्रश्नों में से* **1** *प्रश्न का उत्तर दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* **500** *शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

http://www.uokonline.com
http://www.uokonline.com
http://www.uokonline.com
http://www.uokonline.com
https://pyqhelp.com

विशेष कवि : (1) तुलसीदास

खण्ड-अ

1. (अ) गोस्वामी तुलसीदास का जन्म कब और कहाँ हुआ उन्होंने किस सम्प्रदाय में दीक्षा ली ?

(ब) 'तुलसी के राम शक्ति, शील और सौंदर्य के आगार हैं।' इनमें से तुलसीदास ने राम के किस स्वरूप को अन्यों की अपेक्षा अधिक महत्त्व दिया ?

(स) 'रामचरितमानस' के कथानक का मूल प्रतिपाद्य क्या है ?

(द) तुलसी की 'विनयपत्रिका' में वर्णित पदों की भाव दशा क्या है ?

(य) तुलसी की 'विनयपत्रिका' का काव्य स्वरूप क्या है ?

(र) 'कवितावली' में सर्वाधिक मार्मिक प्रसंग कौनसा है ?

(ल) 'गीतावली' और 'कवितावली' में रचना की कौनसी काव्य भाषा एवं शैली प्रयुक्त हुई है ?

(व) रामचरितमानस की रचना का प्रारम्भिक समय और स्थान बताइये।

(श) 'केसव कहि न जाइ का कहिए, देखत तव रचना विचित्र जनि समुझि मनहिं मन रहिए।' पंक्ति तुलसीदास की किस रचना से संकलित है तथा इसका आशय क्या है ?

(स) 'सकल सुमंगल दायक रघुनायक गुनगान।
सादर सुनहिं ते तरहिं भव सिंधु बिना जलजान॥
उपर्युक्त पंक्तियों में किस छंद का प्रयोग हुआ है ?

खण्ड-ब

नोट : प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न कीजिए :

इकाई-I

2. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए

'जौं ए कंद मूल फल खाहीं। बादि सुधादि असत जग माहीं॥
एक कहहिं ए सहज सुहाए। आप प्रगट भए बिधि न बनाए॥
जहँ लगि बेद कही बिधि करनी। श्रवन नयन मन गोचर बरनी॥
देखहु खोजि भुअन दस चारी। कहँ अस पुरुष कहाँ असि नारी॥
इन्हहिं देखि बिधि मनु अनुरागा। पटतर जोग बनावै लागा॥
कीन्ह बहुत श्रम ऐक न आए। तेहिं इरिषा बन आनि दुराए॥
एक कहहिं हम बहुत न जानहिं। आपुहिं परम धन्य करि मानहिं॥
ते पुनि पुन्यपुंज हम लेखे। जे देखहिं देखिहहिं जिन्ह देखे॥
एहि बिधि कहि कहि बचन प्रिय लेहिं नयन भरि नीर।
किमि चलिहहिं मारग अगम सुठि सुकुमार सरीर॥

http://www.uokonline.com

http://www.uokonline.com

3. 'सुनि केवट के बैन प्रेम लपेटे अटपटे।

बिहसे करुणाऐन चितइ जानकी लखन तन॥

प्रस्तुत सोरठे के आधार पर 'केवट प्रसंग' का संक्षिप्त [illegible] कीजिए।

इकाई-II

4. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

'कोटि बिप्र बध लागहिं जाहू। आएँ सरन तजउँ नहिं ताहू॥

सनमुख होइ जीव मोहि जबहीं। जन्म कोटि अघ नासहिं तबहीं॥

पापवंत कर सहज सुभाऊ। भजनु मोर तेहि भाव न काऊ॥

जौं पै दुष्टहृदय सोइ होई। मोरे सनमुख आव कि सोई॥

निर्मल मन जन सो मोहि पावा। मोहि कपट छल छिद्र न भावा॥

भेद लेन पठवा दससीसा। तबहुँ न कछु भय हानि कपीसा॥

जग महुँ सखा निसाचर जेते। लछिमनु हनइ निमिष महुँ तेते॥

जौं सभीत आवा सरनाई। रखिहउँ ताहि प्रान की नाई॥

उभय भाँति तेहि आनहु हँसि कह कृपानिकेत।

जय कृपाल कहि कपि चले अंगद हनू समेत॥

5. सुन्दरकाण्ड में वर्णित विभीषण एवं हनुमान की चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।

इकाई-III

6. वास्तव में क्षमा मानवीय भावों में सर्वोपरि है। दया का स्थान इतना ऊँचा नहीं। दया वह दाना है, जो पोली धरती पर उगता है। इसके प्रतिकूल क्षमा वह दाना है, जो काँटों में उगता है। दया पर धारा है, जो समतल भूमि पर बहती है, क्षमा कंकड़ों और चट्टानों में बहने वाली धारा है। दया का मार्ग सीधा और सरल है, क्षमा का मार्ग टेढ़ा और कठिन है। तुम्हारा एक-एक शब्द हृदय में चुभ जाता है। आश्चर्य है, तुम्हें क्षमा का लेश भी नहीं है।

7. मगर क्रोध अत्यन्त कठोर होता है। वह देखना चाहता है कि मेरा एक-एक वाक्य निशाने पर बैठता है या नहीं, वह मौन को सहन नहीं कर सकता। उसकी शक्ति अपार है, ऐसा कोई घातक-से-घातक शस्त्र नहीं है, जिससे बढ़कर काट करने वाले यन्त्र उसकी शस्त्रशाला में न हों, लेकिन मौन वह मंत्र है, जिसके आगे उसकी सारी शक्ति विफल हो जाती है। मौन उसके लिए अजेय है।

http://www.uokonline.com

http://www.uokonline.com

पड़ती है, जब हम सांसारिक कर्त्तव्य के सामने अपने सिर को झुका देते हैं। जब जीवन का भार तथा चिन्ताएँ हमारे सिर पड़ती हैं, तो ऐसे पवित्र संस्कार पर हमको गाम्भीर्य से काम लेना चाहिए। यह कितनी निर्दयता है कि जिस समय हमारा आत्मीय युवक ऐसा कठिन व्रत धारण कर रहा हो, उस समय हम आनन्दोत्सव मनाने बैठें। वह इस गुरुतर भाव से दबा जाता हो और हम नाच-रंग में मस्त हों। शिक्षा का कम से कम इतना प्रभाव तो होना चाहिए कि धार्मिक विषयों में हम मूर्खों की प्रसन्नता को प्रधान न समझें।

4.

3. प्रेम भक्ति और क्षमा का कैसा दिव्य, कैसा आनन्दमय दृश्य है। माता-पिता का हृदय प्रेम से पुलकित हो रहा है और पुत्र के हृदय सागर में भक्ति की तरंग उठ रही है। उसी प्रेम और भक्ति की निर्मल ज्योति से हृदय की अँधेरी कोठरियाँ प्रकाशपूर्ण हो गयी हैं। मिथ्याभिमान और लोक-लज्जा या भय रूपी कीट-पतंग वहाँ से निकल गये हैं। अब वहाँ न्याय, प्रेम, सद्व्यवहार का निवास है।

http://www.uokonline.com

इकाई-IV

8. 'ईदगाह' कहानी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

9. 'पूस की रात' कहानी की यथार्थवादी दृष्टि से समीक्षा कीजिए।

इकाई-V

10. कहानी के रचना विधान पर प्रकाश डालते हुए उत्तम कहानी की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

11. राष्ट्रभाषा हिन्दी के विषय में प्रेमचन्द के विचारों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-म

12. 'सेवासदन' उपन्यास की नायिका सुमन का चरित्र चित्रण कीजिए।

13. "रंगभूमि उपन्यास में गाँधीवादी आदर्शों का सम्यक् दर्शन कराया गया है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

14. औपन्यासिक तत्वों के आधार पर 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी की समीक्षा कीजिए।

15. 'साहित्य का उद्देश्य' शीर्षक निबन्ध में व्यक्त प्रेमचन्द की साहित्य सम्बन्धी अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

http://www.uokonline.com
https://pyqhelp.com

इकाई-II

4. रुदन में कितना उल्लास, कितनी शक्ति, कितना बल है, जो कभी एकान्त में बैठकर, किसी स्मृति में, किसी के वियोग में सिसक-सिसक और बिलख-बिलख नहीं रोया, वह जीवन के ऐसे सुख से वंचित है, जिस पर सैकड़ों मुस्कान न्योछावर हैं। उसी मीठी वेदना का आनन्द उन्हीं से पूछो जिन्होंने यह सौभाग्य प्राप्त किया है। हँसी के बाद मन खिन्न हो जाता है, आत्मा क्षुब्ध हो जाती है, मानो हम थक गये हों, पराभूत हो गये हों। रुदन के पश्चात् एक नवीन स्फूर्ति, एक नवीन जीवन, एक नवीन उत्साह का अनुभव होता है।

5. विवाहित जीवन के इन दो-ढाई सालों में कभी उसका हृदय अनुराग से इतना प्रकंपित न हुआ था। विलासिनी के रूप में वह केवल प्रेम के आवरण के दर्शन कर सकती थी आज त्यागिनी बनकर उसने उसका असली रूप देखा, कितना मनोहर, कितना विशुद्ध, कितना विशाल, कितना तेजोमय। विलासिनी ने प्रेमोद्यान की दीवारों को देखा था, वह उसी में खुश थी—कितना रम्य दृश्य था, कितनी सुगन्ध, कितना वैचित्र्य, कितना विकास ! इसकी सुगन्ध में, इसकी रम्यता में देवत्व भरा हुआ था। प्रेम अपने उच्चतर स्थान पर पहुँचकर देवता से मिल जाता है।

इकाई-III

6. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

'राम को गुलाम, नाम 'रामबोला' राख्यो राम,
काम इहै, नाम है हौं कबहूँ कहत हौं।
लोग कहैं पोचु, सो न सोच न संकोच मेरे,
ब्याह न बरेखो, जाति-पाँति न चहत हौं।
तुलसी अकाज-काज राम ही के रीझे-खीझे,
प्रीति की प्रतीति मन मुदित रहत हौं॥

7. गीतिका काव्य की विशेषताओं के आधार पर विनयपत्रिका की आध्यात्मिकता एवं भाषागत सौंदर्य पर लेख लिखिए।

इकाई-IV

8. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

'लोगनि के पाप कैंधो, सिद्ध सुर-ताप कैंधो,
काल के प्रताप कासी तिहूँ ताप तई है।
ऊँच, नीचे बीच के, धनिक, रंक, राजा, राय,
हठनि बजाइ करि डीठि पीठि दई है।
देवता निहारे, महामारिन्ह सों कर जोरे,
भोरानाथ जानि मोरें आपनी-सी ठई है।
करुना निधान हनुमान बीर बलवान।
जस रासि जहाँ-तहाँ वैंही लूट लई है॥

http://www.uokonline.com

http://www.uokonline.com

'खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी।'

उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर तत्कालीन युगीन प्रवृत्ति व दशा पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

इकाई-V

10. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

'बिलोके दूरि तें दोउ बीर।
उर आयत, आजानु सुभग भुज स्यामल-गौर सरीर॥
सीस जटा सहसीरुह लोचन, बने परिधन मुनिचीर।
निकट निषङ्ग, सङ्ग सिय सोभित, करनि धुनत धनु-तीर॥
मन अगहुँड़, तनु पुलक सिथिल भयो, नलिन नयन भरे नीर।
गड़त गोड़ मानो सकुच-पङ्क महँ, कढत प्रेम-बल धीर॥
तुलसीदास दसा देखि भरत की उठि धाए अतिहि अधीर।
लिए उठाइ उर लाइ कृपानिधि बिरह-जनित हरि पीर॥

11. 'गीतावली' के उत्तरकाण्ड में वर्णित प्रसंगों से स्पष्ट कीजिए कि तुलसीदास ने किस रामराज्य की कल्पना की है ?

http://www.uokonline.com
http://www.uokonline.com
https://pyqlelo.com